राष्ट्र सेवा के लिए शपथ

1. हम भारत को एक विकसित देश बनाने में सहयोग देंगे।
2. हम आदर्श नागरिक बनकर देशवासियों को अनुशासित नागरिक बनाने में सहायता करेंगे।
3. हम अपने घर को सदाचारपूर्ण बनाने, वातावरण को स्वच्छ रखने और पढ़ाई में और अपने कार्य में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए अभियान चलायेंगे।
4. समाज में महिलाओं के प्रति हो रहे अन्याय सहित देश में फैली सामाजिक कुरीतियों को दूर करेंगे और महिलाओं को समाज में सम्मानित स्थान दिलायेंगे।
5. ज्ञान और उच्च नैतिक मूल्यों द्वारा समाज से भ्रष्टाचार दूर करेंगे।
6. हम राष्ट्रीय एकता, राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्र प्रेम द्वारा देश को मजबूत बनायेंगे।
7. हम लोगों को कानून का पालन करने वाला नागरिक बनने के लिए प्रेरित करेंगे।
8. हम वनों की कटाई रोकेंगे और पर्यावरण की रक्षा के लिए नए पेड़ लगाएंगे।

यह शपथ राष्ट्रीय सेवा योजना गणतंत्र दिवस शिविर में भाग लेने आये शिविरार्थियों को 28 जनवरी, 2005 को राष्ट्रपति भवन में महामहिम राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम द्वारा दिलाई गई।

राष्ट्रीय सेवा योजना
युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय,
भारत सरकार, नई दिल्ली

विश्वास

लोगों के जीवन को उन्नतिशील बनाने हेतु जब उन्हें उत्तरदायित्व सौंपते हो- जब तुम उनमें आत्मविश्वास उत्पन्न करते हो, जिसके अभाव में वे कुछ भी नहीं हैं। जब उनमें आत्मविश्वास उत्पन्न हो जाता है तब वे अति कठिन परिस्थितियों से भी जूझकर उनका समाधान कर सकते हैं और उनमें यह आत्मविश्वास जागृत करने के लिये आवश्यक है कि तुम्हें उनकी राष्ट्र निर्माण की शक्ति पर पूरा भरोसा हो। विश्वास से विश्वास उपजता है और प्रजातन्त्र तब पनपता है, जब समस्त जन समुदाय विशेष कर समाज के कमजोर वर्गों के लोग पूरी तरह तथ्य को स्वीकार करें।

- स्वामी विवेकानन्द

व्यक्तिगत विवरण

संस्था.....

1. नाम.....
2. जन्म तिथि .....
3. कक्षा .....
4. एन.एस.एस. में प्रवेश वर्ष.....
5. एन.एस.एस. इकाई क्र. ..... दल क्र. .....
   पंजीयन क्र..... .....
6. स्थानीय पता .....
   .....
7. दूरभाष/मोबाइल नं. .....
8. पिता/अभिभावक का नाम .....
9. व्यवसाय .....
10. स्थायी पता.....
11. रक्त समूह .....

विद्यार्थी कार्य डायरी सत्र के आखिर में मूल्यांकन हेतु कार्यक्रम अधिकारी के पास जमा की जावेगी।

कार्यक्रम अधिकारी (हस्ताक्षर) स्वयं सेवक

राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS)

प्रारम्भ :

भारत सरकार द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के जन्म शताब्दी वर्ष 1969 में राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) इस आशय के साथ प्रारंभ की गई कि उच्च शिक्षा से जुड़े विद्यार्थियों में सामाजिक दायित्व, चेतना, स्वप्रेरित अनुशासन के साथ श्रम के प्रति सम्मान की भावना उत्पन्न हो। विद्यार्थी अपने रिक्त समय एवं अवकाश का सदुपयोग करने हेतु समाज सेवा करें तथा अपनी शिक्षा की पूर्णता हेतु वास्तविक परिस्थितियों से साक्षात्कार भी कर सकें जिससे उनके व्यक्तित्व का विकास हो।

मध्य प्रदेश में सन् 1969 में राष्ट्रीय सेवा योजना सर्वप्रथम प्रदेश के दो विश्वविद्यालयों में शुरू की गई एवं वर्तमान में प्रदेश के 7 विश्वविद्यालयों द्वारा इसका संचालन किया जा रहा है। साथ ही सन् 1988 में 10+2 में राष्ट्रीय सेवा योजना प्रारम्भ की गई । 1990 में मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय सेवा योजना का A,B,C पाठ्यक्रम लागू किया गया, जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना के पाठ्यक्रम को ए,बी एवं सी प्रमाण-पत्र में विभक्त किया गया।

संगठन :

भारत सरकार, युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय द्वारा प्रवर्तित यह योजना मध्य प्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग के नियंत्रण में विश्वविद्यालय द्वारा 10+2 विद्यालय/उच्च शिक्षा संस्थाओं में स्थापित इकाईयों के माध्यम से चलाई जाती है।

राष्ट्रीय संगठनात्मक प्रशासनिक प्रबन्ध

युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय, नई दिल्ली

↓

सचिव युवा एवं कार्य व खेल

↓

संयुक्त सचिव, युवा कार्य एवं खेल

↓

कार्यक्रम सलाहकार

↓

उप/सहायक कार्यक्रम सलाहकार (क्षेत्रीय केन्द्र)

↓

राज्य संगठनात्मक प्रशासनिक प्रबन्ध

↓

उच्च शिक्षा विभाग

↓

प्रमुख सचिव

↓

राज्य सम्पर्क अधिकारी (प्रकोष्ठ)

↓

कार्यक्रम समन्वयक (विश्वविद्यालय प्रकोष्ठ)

↓

जिला संगठक

↓

प्राचार्य/कार्यक्रम अधिकारी

↓

स्वयं सेवक

वित्तीय व्यवस्थाः

योजना के अन्तर्गत गतिविधियों पर होने वाले व्यय की व्यवस्था केन्द्र सरकार एवं राज्य शासन द्वारा 7:5 के अनुपात में की जाती है। व्यय हेतु वित्तीय ब्यौरा निर्धारित है।

गतिविधियाँः

सामान्यतः एक स्वयंसेवक योजना में कम से कम 2 वर्ष तक रह कर गतिविधियों में भाग लेता है। वर्ष भर नगर अभिगृहीत ग्राम/बस्ती में नियमित गतिविधि आयोजित की जाती है। जबकि किसी गांव में आयोजित दस दिवसीय पूर्णकालिक शिविर होता है। इसके अतिरिक्त आवश्यकतानुसार दिवा शिविर भी आयोजित किये जाते हैं।

राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रमुख विवरणः

रा. से. यो. (NSS):

राष्ट्रीय सेवा योजना (National Service Scheme)

रा. से. यो. का उद्देश्यः

समाज सेवा द्वारा विद्यार्थियों/छात्रों के व्यक्तित्व का विकास।

Student personality development through community service.

रा.से.यो. का लक्ष्यः

शिक्षा द्वारा समाज सेवा एवं समाज सेवा के द्वारा शिक्षा।

सिद्धान्त वाक्यः

राष्ट्रीय सेवा योजना का सिद्धान्त वाक्य (मोटो)- मैं नहीं तू, नाहं वै भवान् (Not me but you)- यह सिद्धान्त वाक्य वसुधैव कुटुम्बकम का सार बताता है, निःस्वार्थ सेवा की आवश्यकता का समर्थन करता है। यह बताता है कि हम एक दूसरे के दृष्टिकोण की सराहना करने वाले बनें तथा प्राणी मात्र के लिये सहानुभूति रखें। इस तरह यह एक सर्वधर्म समभाव राष्ट्र से युक्त (प्रजातान्त्रिक) समाज के निर्माण का लक्ष्य प्रस्तुत करता है।

विषय (थीम) :

एन. एस. एस. की नियमित एवं विशेष शिविर गतिविधियों हेतु सत्र 2012-13 तक के लिये विषय थीम ''स्वास्थ्य एवं जन स्वच्छता तथा व्यक्तिगत स्वास्थ्य'' निर्धारित की गई है।

प्रेरणा पुरुष :

मानव सेवा एवं युवा चेतना के प्रतीक स्वामी विवेकानन्द को राष्ट्रीय सेवा योजना का प्रेरणा पुरुष मान्य किया गया है। स्वामी विवेकानन्द जी को 1984 में भारत सरकार ने युवाओं का प्रतीक पुरुष माना तब से ही राष्ट्रीय सेवा योजना में उन्हें अपने प्रतीक पुरुष के रूप में मान्य किया।

रासेयो प्रतीक चिन्ह

राष्ट्रीय सेवा योजना का प्रतीक चिन्ह उड़ीसा के कोणार्क सूर्य मन्दिर के रथ के चक्र पर आधारित है, सूर्य मन्दिर के ये विशाल चक्र सृजन, संरक्षण और निर्मुक्ति के आवर्तन को अभिव्यक्त करते हैं तथा काल और स्थान से परे जीवन में गति का महत्व बताते हैं। प्रतीक का अभिकल्प (डिजाइन) सूर्य रथ के चक्र का सरलीकृत रूप है,मुख्यतः गति को दर्शाता है, यह निरन्तरता समाज में परिवर्तन लाने और उसे उन्नत करने के लिए निरन्तर आगे बढ़ने के प्रयास करने का द्योतक है।

रासेयो का बैज

सूर्य मन्दिर के रथ में 24 पहिये हैं, प्रत्येक पहिये में 8 तीलियां हैं, जो 8 प्रहर दर्शाती है, इसलिए जो व्यक्ति इस बैज को धारण करता है उसे यह बैज याद दिलाता है कि इस राष्ट्र सेवा के लिए दिन-रात अर्थात् 24 घण्टे (आठों पहर) तत्पर रहे, बैज में जो लाल रंग है वह इस बात का संकेत करता है कि रा. से. यो. के स्वयं सेवकों में पूरा उत्साह है और वे जीवन्त हैं, सक्रिय हैं और उनमें स्फूर्ति है, गहरा नीला रंग उस ब्रम्हाण्ड की ओर संकेत करता है जिसका रा. से. यो. एक छोटा सा अंश है और जो मानव मात्र का कल्याण करने के लिए अपना अंशदान करने को तैयार है।

अभिवादन :

एन. एस. एस. के सदस्य परस्पर अभिवादन हेतु (केवल म.प्र.)

''जय हिन्द''

का घोष करते हैं।

रा. से. यो. विद्यार्थियों के लिए आचरण संहिता

1. सभी रा. से. यो. स्वयं सेवक कार्यक्रम अधिकारी द्वारा नियत किये गये दल-नायक के मार्ग दर्शन में कार्य करेंगे।
2. दल-समुदाय के नेतृत्व के लिए वे सहयोग एवं विश्वास के पात्र बनेंगे।
3. उन्हें हर स्थिति में आलोचनात्मक कार्य-कलापों से दूर रहना चाहिए।
4. वे अपनी दैनन्दिन गतिविधियों/अनुभवों को इस डायरी में संलग्न पृष्ठों पर अभिलिखित करेंगे और समय-समय पर अवलोकनार्थ प्रस्तुत करेंगे।
5. प्रत्येक स्वयंसेवक को एन.एस.एस. कार्य के समय एन.एस.एस. बैज धारण करना चाहिए।

उद्देश्यः

इस योजना का उद्देश्य- ''समाज सेवा के माध्यम से व्यक्तित्व का विकास'' है। इसके विशिष्ट उद्देश्य इस प्रकार हैंः

1. जिस बस्ती/ग्राम/समुदाय में वे कार्य करते हैं, उसे समझना।
2. बस्ती/ग्राम/समुदाय के परिप्रेक्ष्य में स्वयं को समझना।
3. बस्ती/ग्राम/समुदाय की उन समस्याओं एवं आवश्यकताओं की पहचान करना जिनके समाधान में वे सहभागी हो सकते हैं।
4. सामाजिक दायित्व एवं नागरिक बोध (सिविक सेंस) का विकास करना।

5. कठिनाईयों के व्यवहारिक निराकरण ढूंढने में शिक्षा एवं ज्ञान को लागू करना। वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास करना।
6. समूह- जीवन हेतु आवश्यक गुणों का विकास करना।
7. बस्ती/ग्राम/समुदाय की सहभागिता सक्रिय करने हेतु कौशल।
8. प्रजातांत्रिक दृष्टिकोण एवं नेतृत्व गुणों का विकास।
9. संकट एवं दैवी आपदाओं का सामना करने की क्षमता का विकास।
10. राष्ट्रीय एकता को व्यवहारिक स्वरूप देना।

दिशा निर्देश :

एक शैक्षणिक वर्ष में जो 120 घण्टे का सेवा-कार्य प्रत्येक स्वयंसेवक से अपेक्षित है, उनमें से प्रथम वर्ष में 20 घण्टे निम्नानुसार दिशा निर्देश कार्यक्रम पर उपयोग में लाए जाएं।

सामान्य दिशा निर्देश	2 घण्टे
विशिष्ट दिशा निर्देश	8 घण्टे
कार्यक्रम की दक्षता का ज्ञान	10 घण्टे
योग	20 घण्टे

दिशा निर्देश कार्यक्रम, शिक्षकों, कार्यक्षेत्र के जानकार व्यक्तियों जैसे स्थानीय विकास अधिकारियों, स्वयं-सेवी संस्थाओं, सामाजिक कार्यकर्त्ताओं एवं वरिष्ठ स्वयंसेवकों इत्यादि के सहयोग से आयोजित किया जाएगा।

प्रमाण पत्र योजना

भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना की नियमित एवं विशेष शिविर गतिविधियों के लिए सुझाए गए 8 कार्य क्षेत्रों को ही इस पाठ्यक्रम का आधार बनाया गया है। प्रमाण-पत्रों की श्रेणीबद्धता विभिन्न स्तर के विद्यार्थियों की क्षमता और रुचि को ध्यान में रखकर की गयी है। प्रत्येक प्रमाण-पत्र के पाठ्यक्रम में चयनात्मक गतिविधियां निर्धारित की गयी है, जिनमें से प्रत्येक समूह से कम से कम एक गतिविधि स्वयं सेवक की इच्छानुसार चयन की जाएगी, ताकि विद्यार्थी का बहुविधि विकास हो सके।

यह ध्यान में रखने की बात है कि एक प्रमाण-पत्र के लिए किया गया गतिविधियों का चयन अगले प्रमाण-पत्र में यथासंभव न किया जाए।

यद्यपि 'ए' एवं 'बी' श्रेणी के प्रमाण-पत्र के लिए कुल 6 क्षेत्रों से गतिविधियां चयन की जाएंगी, तथापि जन साक्षरता में भाग लेने वाले स्वयं सेवकों को यह छूट होगी कि ये चयनात्मक समूहों में से तीन गतिविधियों का ही चयन करें।

'ए' प्रमाण-पत्र : यह प्रमाण-पत्र स्कूल स्तर पर +2 कक्षाओं में अध्ययनरत रा. से.यो. स्वयं सेवकों द्वारा प्रत्येक वर्ष 120 घण्टे के हिसाब से 2 वर्षों में 240 घण्टे का पाठ्यक्रम सेवाकार्य करने के उपरान्त, मूल्यांकन में सफल होकर प्राप्त किया जा सकता है। अनिवार्य गतिविधियों के अतिरिक्त प्रत्येक स्वयं सेवक को भाग-1 के प्रत्येक समूह से कम से कम एक ऐच्छिक गतिविधि का चयन कर कार्य करना होगा। इस प्रकार वह 2 वर्षों में 12 गतिविधियों के क्षेत्र में कम से कम 240 घण्टे का सेवा कार्य करेगा।

'बी' प्रमाण-पत्र : इस प्रमाण-पत्र के लिए महाविद्यालय/डाइट पोलीटेकनिक के उपाधि/पत्रोपाधि/स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में अध्ययनरत रासेयो स्वयंसेवक कार्य करेंगे। 'ए' प्रमाण-पत्र धारी स्वयंसेवक, अनिवार्य गतिविधियों के अतिरिक्त भाग-2 के प्रत्येक समूह में से एक गतिविधि का चयन कर कार्य करेगा और इस प्रकार एक वर्ष में 6 गतिविधियों के क्षेत्र में कार्य करेगा। जो स्वयं सेवक 'ए' प्रमाण-पत्र धारी नहीं है वह रासेयो के प्रथम वर्ष में अनिवार्य गतिविधियों के अतिरिक्त भाग-1 के प्रत्येक समूह से एक गतिविधि का चयन कर कार्य करेगा तथा रासेयो के द्वितीय वर्ष में अनिवार्य गतिविधियों के अतिरिक्त भाग-2 के प्रत्येक समूह से एक गतिविधि का चयन कर कार्य करेगा।

'सी' प्रमाण-पत्र : पाठ्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए स्वयं सेवक को 'बी' प्रमाण-पत्र धारी तथा कम से कम एक 10 दिवसीय पूर्णकालिक शिविर का अनुभव होना आवश्यक है। स्वयं सेवक अनिवार्य गतिविधियों के अतिरिक्त पाठ्यक्रम की चयनात्मक गतिविधियों के प्रत्येक समूह से कम से कम एक गतिविधि पर कार्य करेगा तथा स्वयं के द्वारा किए गए कार्य के अनुभव एवं सामाजिक प्रसंगिकता से संबंधित उसके द्वारा प्रस्तुत विषय पर संस्था की रासेयो सलाहकार समिति द्वारा अनुमोदनोपरांत वह 20-30 टंकित पृष्ठों की प्रोजेक्ट रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा। इसका मूल्यांकन विश्वविद्यालय स्तर पर होगा तथा एक समिति द्वारा स्वयं सेवक का व्यक्तित्व परीक्षण किया जाएगा।

भाग 1-'ए' प्रमाण-पत्र

उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों (+2) में दो वर्षों में (240 घण्टे) 'ए' प्रमाण पत्र के लिए निर्धारित पाठ्यक्रमः

अनिवार्य गतिविधियां

1. अभिमुखीकरण : एन. एस. एस. का उद्देश्य और दर्शन, कम से कम 4 प्रेरणा गीत, जो समय-समय पर राज्य स्तरीय शिविरों में प्रसारित किये गये हों, का भी चयन किया जा सकता है, जैसेः 'हम होंगे कामयाब', 'आओ जवान आओ', 'बदलेंगे तस्वीर गांव की', 'नौजवान आओ रे', 'करें राष्ट्र निर्माण बनाएं मिट्टी से अब सोना', 'नवयुग का संदेश', 'उठे समाज के लिए उठे', 'गूँजे गगन में', 'आओ जिन्दगी को उन्नति दें' आदि।

2. ड्रिल, पी.टी. योग एवं खेल : साधारण ड्रिल सावधान, विश्राम, दांये मुड़, बांये मुड़, दांये घूम, बांये घूम तेज चल, सलामी, लाइन तोड़, कम से कम 5 देशी खेल, सम्पूर्ण शरीर के व्यायाम के लिए कुछ पी.टी. तथा योगासन, प्राणायाम, ताड़ासन, अर्धकटि चक्रासन, त्रिकोण आसन, वज्रासन, गोमुखासन, शवासन इत्यादि। प्राणायाम- अनुलोम- विलोम, भ्रामरी।

चयनात्मक गतिविधियां

1. पर्यावरण संवर्धन एवं संरक्षण, वृक्षारोपण : दो वर्षों में कम से कम 20 पौधे। प्रत्येक स्वयं सेवक कम से कम 2 पौधों की सुरक्षा/अभिग्रहण/देखभाल करेगा।

सोख्ता गड्ढों, खाद के गड्ढों का निर्माण, सड़क और पुलियों का जीर्णोद्धार/मरम्मत/निर्माण करना तथा क्षेत्रीय लोगों को इस कार्य में सहयोगी बनाना/प्रेरित करना।

संस्था/गोद लिए ग्राम/झुग्गी बस्ती में नालियों, मार्गों का सफाई अभियान।

2. शिक्षा : प्रत्येक स्वयं सेवक दो वर्षों में या तो जन साक्षरता के माध्यम से कम से कम 2 निरक्षरों को साक्षर करेगा या शाला त्यागी विद्यार्थियों को विद्यालय जाने के लिए तैयार करेगा अथवा निचली कक्षाओं के छात्रों की अध्ययन में मदद करेगा। प्रत्येक स्वयं सेवक रासेयो गतिविधियों में कम से कम एक गैर रासेयो विद्यार्थी को जोड़ेगा।

जन साक्षरता कार्यक्रम से जुड़े स्वयं सेवक नव साक्षरों/ प्रतिभागियों की कम से कम दो बैठकें (सभाएं) करेंगे।

सामाजिक विषयों पर सामुदायिक चेतना के लिए रैलियों का आयोजन। परिशिष्ट अ के अनुसार रासेयो दिवस/युवा सप्ताह का आयोजन।

3. स्वास्थ्य, परिवार कल्याण एवं पौष्टिक आहार : स्वास्थ्य, शिक्षा एवं प्राथमिक उपचार। मरीजों की मदद।

पौष्टिक आहार कार्यक्रम एवं पेयजल परियोजनाओं में सहायता, तालाब/झील/कुओं की सफाई एवं खुदाई, जल शुद्धिकरण कार्यक्रम हेतु प्रेरणा का कार्य करना।

4. आर्थिक विकास के लिए विविध उत्पादनोन्मुखी कार्यक्रमः वैज्ञानिक तरीके से अन्न भण्डारण, खरपतवार पर नियन्त्रण कृषि यंत्रों के रख-रखाव एवं प्रशिक्षण में मदद, हैण्डपम्प का रख-रखाव।

चूहों एवं कीटों पर नियन्त्रण एवं कीटनाशक औषधियों का प्रयोग। जन सहयोग से संस्था प्रांगण या समुदाय में स्थाई अस्तियों () का निर्माण जैसेः साइकल स्टैण्ड, मंच, पेशाब घर, सामुदायिक भवन, पंचायत भवन आदि।

भू-रक्षण एवं मिट्टी परीक्षणः नमूने एकत्रित कर वैज्ञानिक विश्लेषण। मिट्टी का उपचार कार्य। (इस हेतु विषय विशेषज्ञों को स्थानीय स्तर पर बुलाया जाए।)

5. समाज सेवा कार्य : झुग्गीवासियों के लिए कार्य, विभिन्न कार्यों के लिए सर्वेक्षण।

वयोवृद्ध, विकलांगों एवं निराश्रितों को मदद।

राष्ट्रीय चेतना तथा सामाजिक उत्थान सम्बन्धी चित्रों/वस्तुओं की प्रदर्शनी, सहायता, बचाव तथा पुनर्निर्माण कार्यों में शासकीय अधिकारिओं की मदद। विपदाग्रस्त लोगों के लिए आवश्यक सामग्री का संकलन तथा दी जाने वाली सामग्री के वितरण में सहायता।

6. अन्य गतिविधियां : क्षेत्र की आवश्यकता एवं प्राथमिकता के आधार पर गतिविधियों का आयोजन।

ग्राम व झुग्गी बस्तियों को गोद

सेवा कार्य की निरन्तरता, मूल्यांकन तथा अनुवर्ती कार्य की गति बनाये रखने के लिए प्रत्येक रा. से. यो. इकाई ग्राम झुग्गी बस्ती को गोद लेती है। यह कार्य स्थानीय विकास अधिकारियों से विचार-विमर्श करके किया जा सकता है। तथापि ऐसा कोई भी क्षेत्र जो विद्यार्थियों की सुविधाजनक पहुंच के भीतर (महाविद्यालय/स्कूल/संस्था से 8 किलोमीटर के भीतर) ही चुना जाता है।

भाग-2 'बी' प्रमाण-पत्र

(+3) विद्यालयोत्तर प्रथम वर्ष रासेयो स्वयं सेवकों के लिए 120 घण्टों का पाठ्यक्रम।

अनिवार्य गतिविधियां

1. अभिमुखीकरणः शैक्षणिक कार्यक्रमः जन शिक्षा, साक्षरता कार्यक्रम, पर्यावरण शिक्षा, ऊर्जा के वैकल्पिक स्त्रोत।

आर्थिक विकास सम्बन्धी योजनाएं यथाः आई.आर.डी.पी., ट्रायसेम, एन.आर..पी.आदि।

प्राथमिक चिकित्सा रक्तदान, नेत्रदान एवं एड्स के विषय में जागरूकता।

नेतृत्व प्रशिक्षण, युवा मण्डल, महिला मण्डल आदि।

वन्य प्राणी संरक्षण।

नागरिकता बोध, यातायात बोध।

प्रासंगिक और तात्कालिक सामाजिक समस्याएँ।

2. उन्नत ड्रिल, पी.टी., योग एवं खेलः साधारण ड्रिल का अभ्यास, कमाण्ड, परेड का संचालन, फाइल फार्मेशन, मार्चिंग, सलामी आदि। पी.टी., योग, साधन रहित देशी खेल जैसेः कितने भाई कितने, जाल-मछली, लीडर पकड़, ऐसे-कैसे, रूमाल झपट्टा आदि।

चयनात्मक गतिविधियां

1. पर्यावरण समृद्धि एवं संरक्षण : वृक्षारोपण एवं सुरक्षा।

पुरातत्वीय स्मारकों, वस्तुओं का संरक्षण एवं सुरक्षा।

धुंआ रहित चूल्हों का निर्माण, बायो गैस/गोबर गैस संयंत्र प्रसार और निर्माण में मदद।

2. शिक्षा : निरक्षर, नवसाक्षर लोगों तथा शालात्यागी बच्चों के लिए क्रमशः शिक्षा, औपचारिकेत्तर शिक्षा जैसे कार्यक्रमों में सक्रियता। समिति द्वारा संचालित रासेयो बुक बैंक के लिए अधिक से अधिक पुस्तकों का संग्रहण।

ग्राम/झुग्गी बस्ती/गोद ली गई शाला में छात्र संख्या बढ़ाने के लिए बच्चों और अभिभावकों को प्रेरित करना। सामुदायिक चेतना के लिए रैलियां एवं परिशिष्ट के अनुसार दिवस सप्ताह का आयोजन।

3. स्वास्थ्य शिक्षा, परिवार कल्याण एवं पोषण आहार : स्वास्थ्य शिक्षा, स्वास्थ्य परीक्षण स्वास्थ्य एवं टीकाकरण।

रक्तदान एवं तत्संबंधी शिविर।

नशाखोरी के विरुद्ध अभियान।

नेत्र एवं स्वास्थ्य शिविरों में सहायता।

कुष्ठरोग के विरुद्ध अभियान तथा कुष्ठरोगियों की सेवा।

(इस कार्य हेतु स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों की सहायता प्राप्त की जाए।)

4. आर्थिक विकास के लिए विविध उत्पादनोन्मुखी कार्यक्रमः आई. आर. डी. पी., एन. आर. ई. पी., ट्रायसेम, बैंक-ऋण हितग्राहियों की पहचान और उनके द्वारा लिए गए ऋण तथा उसके लाभ के परीक्षण हेतु सर्वेक्षण। चूहा एवं कीट नियंत्रण और उर्वरकों का प्रयोग।

भू-क्षरण रोकने में सहायता, मिट्टी परीक्षण तथा उपचार। सहकारी संस्थाओं को बढ़ावा देने और उन्हें मजबूत करने में सहयोग।

अल्प बचत अभियान में प्रत्येक स्वय़ं सेवक कम से कम 4 खाते खुलवायेगा।

5. समाज सेवा के अन्य कार्य : युवा मण्डल एवं महिला मण्डलों के गठन में सहयोग।

आपदा ग्रस्त लोगों की सहायता एवं बचाव कार्य में अधिकारियों की मदद। सामाजिक बुराईयों तथा बाल-विवाह, दहेज-प्रथा, अत्यधिक खर्चीलेपन के निवारण के लिए समूह बैठकों एवं परिचर्चाओं का आयोजन। सामूहिक विवाहों के लिए जागरूकता पैदा करना। वैज्ञानिक दृष्टि का प्रचार-प्रसार, भारतीयता का गौरव, जनतांत्रिक एवं धर्म निरपेक्ष मूल्य, भारतीय संस्कृति एवं धरोहरों के संरक्षण के कार्य।

6. अन्य गतिविधियां : क्षेत्र की आवश्यकता एवं प्राथमिकता के आधार पर गतिविधियों का आयोजन।

'सी' प्रमाण-पत्र
अनिवार्य गतिविधियां

1. अभिमुखीकरण (अभिविन्यास) : 'ए' और 'बी' प्रमाण-पत्र के लिए कार्यरत स्वयं सेवकों के अभिमुखीकरण कार्यक्रम में (स्वयं की या अन्य संस्थाओं) निर्धारित विषयों पर कम से कम 20 घण्टों की सक्रिय भागीदारी।

2. ड्रिल, पी.टी., योग और खेल : परेड संचालन, योग, पी.टी. और देशी खेलों का (रासेयो स्वयं सवकों के लिए) संचालन।

3. प्रोजेक्ट रिपोर्ट : स्वयं किये गये कार्य की सामाजिक प्रासंगिकता से सम्बन्धित विषय पर 20-30 टंकित पृष्ठों की प्रोजेक्ट रिपोर्ट विश्वविद्यालय को प्रस्तुत करना।

4. कार्यक्रम संयोजन : 7 दिवसीय रासेयो शिविर के आयोजन और इकाई की गतिविधियों में कार्यक्रम अधिकारी की सहायता।

चयनात्मक गतिविधियां

1. पर्यावरण समृद्धि एवं संरक्षण : सोख्ता/खाद के गड्ढों, बोयोगैस/ऊर्जा संयंत्रों का प्रदर्शन। वृक्षारोपण कार्य का प्रदर्शन फल, वन एवं पथ वृक्षों के बारे में पर्याप्त जानकारी (अपेक्षित) 'ए' और 'बी' प्रमाण पत्र वाले रासेयो स्वयं सेवकों द्वारा संचित वृक्षों/पौधों की रक्षा एवं उसका हिसाब (वन क्षेत्र में रोपित पौधों को छोड़कर)। ऊर्जा के वैकल्पिक स्त्रोतों का सक्रिय प्रदर्शन।

वन्य जीवन संरक्षणः जागरूकता अभियान में भागीदारी।

2. शिक्षा : क्रियात्मक जन शिक्षा एवं अन्य साक्षरता कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी तथा पर्यवेक्षण।

रासेयो बुक बैंक को समृद्ध करना तथा संग्रहण द्वारा कम से कम दो पुस्तकों का योगदान, जरूरतमन्द छात्रों को पुस्तक प्रदाय में मदद।

संस्था द्वारा गोष्ठियों, भित्तिचित्र, नाटक, मॉक पार्लियामेन्ट, प्रश्नोत्तरी आदि का आयोजन।

सामुदायिक चेतना के लिए रैलियों का आयोजन एवं परिशिष्ट के अनुसार दिवस/सप्ताह का आयोजन।

3. स्वास्थ्य शिक्षा, परिवार कल्याण एवं पौष्टिक आहार : स्वास्थ्य परीक्षण एवं टीकाकरण कार्यक्रमों का आयोजन। रक्तदान शिविरों का आयोजन/भागीदारी।

एड्स एवं कुष्ठरोग विरोधी अभियान एवं कुष्ठरोगियों की सेवा।

नशा विरोधी अभियान चलाना और वातावरण तैयार करना।

4. आर्थिक विकास के लिए विविध उत्पादनोन्मुखी कार्यक्रमः आई.आर.डी.पी., एन.आर.ई.पी., ट्रायसेम रोजगार मूलक तथा विकासात्मक कार्यों के लिए सर्वेक्षणों में मार्गदर्शन एवं पर्यवेक्षण, आर्थिक सामाजिक स्वास्थ्य एवं अन्य कार्यक्रमों से सम्बन्धित विषयों पर विशेषज्ञों/सन्दर्भ व्यक्तियों के व्याख्यानों का आयोजन करना।

सहकारिता की उन्नति और मजबूती के लिए कार्य।

अल्प बचत योजना का प्रचार-प्रसार (प्रत्येक स्वयं सेवी कम से कम 5 खाते खुलवायेगा)।

5. समाज सेवा अन्य कार्य :

कम से कम एक महिला मंडल/युवा मण्डल के निर्माण में सहायता। संस्था परिसर का सफाई अभियान।

आपदा- प्रबन्धन (डिजास्टर मैनेजमेंट) संबधी गतिविधियों एवं बचाव कार्यों में आवश्यकतानुसार मदद। भारतीय राष्ट्रीय संस्कृति एवं राष्ट्रीय धरोहर/स्मारक का अनुरक्षण। पंचायती राज के बारे में जागरूकता।

6. जल संरक्षण एवं प्रबन्धन के कार्य में सक्रिय भागीदारी एवं प्रेरणा का कार्य करना।

7. अन्य गतिविधियां : क्षेत्र की आवश्यकता एवं प्राथमिकता के आधार पर गतिविधियों का आयोजन।

सामाजिक चेतना हेतु महत्वपूर्ण सप्ताह एवं दिवस

12 जनवरी	:	राष्ट्रीय युवा दिवस
12 से 19 जनवरी	:	राष्ट्रीय युवा सप्ताह
26 जनवरी	:	गणतन्त्र दिवस
8 मार्च	:	विश्व महिला दिवस
21 मार्च	:	विश्व वानिकी दिवस
7 अप्रैल	:	विश्व स्वास्थ्य दिवस
14 अप्रैल	:	अग्निरोधक दिवस
22 अप्रैल	:	वसुन्धरा दिवस
31 मई	:	तम्बाकू निरोध दिवस
5 जून	:	विश्व पर्यारवण दिवस
8 अगस्त	:	स्वतन्त्रता आन्दोलन दिवस
12 अगस्त	:	विश्व युवा दिवस
15 अगस्त	:	स्वतन्त्रता दिवस
20 अगस्त	:	सद्भावना दिवस
22 अगस्त	:	सद्भावना मानव- श्रृंखला
1-7 सितम्बर	:	पोषण आहार सप्ताह
5 सितम्बर	:	शिक्षक दिवस
8 सितम्बर	:	विश्व साक्षरता दिवस
24 सितम्बर	:	एन.एस.एस. दिवस

1 अक्टूबर	:	स्वैच्छिक रक्तदान दिवस
2 अक्टूबर	:	गांधी जयन्ती
2-8 अक्टूबर	:	वन्य प्राणी संरक्षण सप्ताह
16 अक्टूबर	:	विश्व खाद्यान्न दिवस
24 अक्टूबर	:	संयुक्त राष्ट्र दिवस
24 से 30 अक्टूबर	:	यातायात सप्ताह
30 अक्टूबर	:	राष्ट्रीय मितव्ययता दिवस
19 से 25 नवम्बर	:	कौमी एकता सप्ताह
25 नवम्बर से		
1 दिसम्बर	:	विश्व एड्स जागरूकता सप्ताह
1 दिसम्बर	:	विश्व एड्स जागरूकता दिवस
5 दिसम्बर	:	विश्व स्वयं सेवक दिवस
10 दिसम्बर	:	विश्व मानव अधिकार दिवस।

राष्ट्रीय सेवा योजनाः लक्ष्य गीत (अनिवार्य)

उठे समाज के लिए उठे-उठे
जगे स्वराष्ट्र के लिए जगे-जगे
स्वयं सजे वसुन्धरा संवार दे-2
हम उठे उठेगा जग हमारे संग साथियों
हम बढ़े तो सब बढ़ेंगे अपने आप साथियों
जमीं पे आसमान को उतार दे
स्वयं सजे वसुन्धरा संवार दे-2
उदासियों को दूर कर, खुशी को बांटते चले
गांव और शहर की दूरियों को पाटते चले
ज्ञान को प्रचार दे प्रसार दे
विज्ञान को प्रचार दे प्रसार दे
स्वयं सजे वसुन्धरा संवार दे-2
समर्थ बाल वृद्ध और नारियां रहे सदा
हरे भरे वनों की शाल ओढ़ती रहे धरा
तरक्कियों की एक नई कतार दे
स्वयं सजे वसुन्धरा संवार दे-2
ये जाति धर्म बोलियां बने न शूल राह की
बढ़ाए बेल प्रेम की अखंडता की चाह की
भावना से ये चमन निखार दे
सद्भावना से ये चमन निखार दे
स्वयं सजे वसुन्धरा संवार दे-2
उठे समाज के लिए उठे-उठे
उठे समाज के लिए उठे-उठे
जगे स्व राष्ट्र के लिये जगे-जगे
स्वयं सजे वसुन्धरा संवार दे-2

होंगे कामयाब

होंगे कामयाब, होंगे कामयाब,
हम होंगे कामयाब, एक दिन ....
ओ! मन में है विश्वास, पूरा है विश्वास,
हम होंगे कामयाब, एक दिन (1)
हम चलेंगे साथ-साथ, होंगे हाथों में हाथ,
हम चलेंगे साथ-साथ एक दिन
ओ! मन में है विश्वास, पूरा है विश्वास
हम होंगे कामयाब, एक दिन (2)
होगी शान्ति चारों ओर, होगी शान्ति चारों ओर,
होगी शान्ति चारों ओर, एक दिन
ओ! मन में है विश्वास, पूरा है विश्वास,
हम होंगे कामयाब, एक दिन (3)
सत् से होंगे आजाद, सत् से होंगे आजाद,
सत् से होंगे आजाद, एक दिन
ओ! मन में है विश्वास, पूरा है विश्वास,
हम होंगे कामयाब, एक दिन (4)
हमें डर नहीं है आज, हमें डर नहीं है आज,
हमें डर नहीं है आज के दिन
ओ! मन में है विश्वास, पूरा है विश्वास,
हम होंगे कामयाब, एक दिन (5)

रूपांतरण कर्त्ता- **गिरजा कुमार माथुर**

नौजवान आओ रे

नौजवान आओ रे, नौजवान आओ रे,
लो कदम मिलाओ रे, लो कदम बढ़ाओ रे।
नौजवान ...
ऐ वतन के नौजवान, इस चमन के बागवान
एक साथ बढ़ चलो, मुश्किलों से लड़ चलो
इस महान देश को नया बनाओ रे
नौजवान ...
धर्म की दुहाइयाँ, प्रांत की जुदाइयाँ
भाषा की लड़ाइयाँ, पाट दो ये खाइयाँ
एक माँ के लाल, एक निशां उठाओ रे
नौजवान ...
एक बनो, नेक बनो, खुद की भाग्य रेख बनो
सदगुणों के तुम हो लाल, तुमसे ये जगत निहाल
शान्ति के लिए जहाँ को तुम जगाओ रे
नौजवान ...
माँ निहारती तुम्हें, माँ पुकारती तुम्हें
श्रम के गीत गाते जाओ, हँसते मुस्कराते जाओ
कोटि कंठ एकता के गान गाओ रे
नौजवान .....

भारतवर्ष महान ...

एक दुलारा देश हमारा, प्यारा हिन्दुस्तान,
दुनिया में बेजोड़ अनोखा, भारतवर्ष महान्
हमारा प्यारा हिन्दुस्तान, हमारा भारतवर्ष महान्
हमारा प्यारा हिन्दुस्तान ...
हिन्दु, मुस्लिम, सिक्ख, इसाई, जैन, पारसी, बौद्ध, बहाई,
धर्म भले हो न्यारे-न्यारे, लेकिन सब हैं भाई सारे
सर्वधर्म समभाव हमारा इस पर हमें गुमान,
हमारा प्यारा हिन्दुस्तान ...
इसके बलिदानी सेनानी, लोकतंत्र ला लासानी,
आजादी की रक्षा करना, खूब जानती नई जवानी,
गाँधीजी की नई दिशा ने, सौंपी हमें कमान,
हमारा प्यारा हिन्दुस्तान ....
सहनशीलता भाईचारा, प्यार मोहब्बत पंथ हमारा
सत्य अहिंसा अमन चैन से, हमने जग का रूप संवारा
अणु तक से करवाया हमने, मानव का कल्याण,
हमारा प्यारा हिन्दुस्तान ....
शिव संकल्प नहीं छूटेंगे, उनसे नव पल्लव फूटेंगे,
इतिहासों का पाठ यही है, जो तोड़ेंगे वे टूटेंगे
लक्ष्य हमारा जय जगत, नारा है निर्माण
हमारा प्यारा हिन्दुस्तान ....

जय जगत

जय जगत, जय जगत, जय जगत पुकारे जा
जय जगत, पुकारे जा, सिर अमन पे वारे जा
सबके हित के वास्ते अपने सुख बिसारे जा
... जय जगत ....
प्रेम की पुकार हो, सब का सबसे प्यार हो
जीत हो जहान की, क्यों किसी की हार हो
... जय जगत ....
न्याय का विधान हो, सबका हक समान हो
सबकी अपनी हो जमीं, सबका आसमान हो
... जय जगत ....
पंथ भेद छोड़ दो, जाति पांति तोड़ दो
मानवों की आपसी, अखण्ड प्रीत जोड़ दो
... जय जगत ....
शान्ति की हवा चले, सब कहें बले बले
दिन उगे सनेह का रात रंज की ढले
... जय जगत ....

राष्ट्रीय युवा गीत

आओ जिन्दगी को उन्नति दें, शान्ति दें।
आओ जिन्दगी को, एक नई हम जिन्दगी दें।

आओ सजायें, देश विशाल
आओ चलें हम ले के मशाल

आओ हर नगर को, हर गली को रोशनी दें,
आओ प्यार बांटें, हर किसी को दोस्ती दें,

आओ मिटा दें, जुल्म की रात
आओ सुना दें, प्यार की बात

आओ जो दुःखी हैं, उन दिलों को, हम खुशी दें
आओ फूल बनकर, इस चमन को ताजगी दें
आओ जिन्दगी .....

बढ़े चलो बढ़े चलो

हिमाद्री तुंग श्रृंग से
प्रबुद्ध शुद्ध भारती
स्वयंप्रभा समुज्जवला
स्वतन्त्रता पुकारती

अमर्त्य वीर पुत्र हो
दृढ़ प्रतिज्ञ सोच लो
प्रशस्त पुण्य पंथ है
बढ़े चलो बढ़े चलो

असंख्य कीर्ति रश्मियां
विकीर्ण दिव्य दाह सी
सपूत मतृभूमि के
रुको न शूर साहसी
बढ़े चलो बढ़े चलो

हिमाद्री तुंग श्रृंग से
प्रबुद्ध शुद्ध भारती
स्वयंप्रभा समुज्जवला
स्वतंत्रता पुकारती

बदलेंगे तस्वीर

बदलेंगे तस्वीर गाँव की हम एन.एस.एस. के नौजवान।
आओ राष्ट्र की सेवा करेंगे हम एन.एस.एस. के नौजवान।

हरित क्रान्ति के अग्रदूत हैं
हम धरती माँ के सपूत हैं
गौतम- गाँधी के वंशज है-
विश्व शान्ति की लिए मशाल।

बदलेंगे .....

अज्ञान अंधेरा भगाये
साक्षरता अभियान चलाये
पंचशील के बल पर लाये
नव युग नया सवेरा

बदलेंगे .....

मतभेद को दूर करेंगे
केवल इन्सान बनेंगे
मेहनत से श्रृंगार करेंगे
नई सदी का हम।

बदलेंगे .....

सह अस्तित्व हमारा नारा
है प्रेम हमारा बल
आज से ज्यादा सुन्दर होगा-
आने वाला कल।

बदलेंगे ...
जय जवान, जय किसान (तीन बार)

राष्ट्रीय योजना गीत

राष्ट्रीय सेवा योजना नवयुग का संदेश है,
जगा गाँव और नगर जगे हैं, जागा सारा देश है।।
नई रोशनी नई दिशा है, सब कुछ नया-नया सा है,
धरती करती तिलक, गगन का, झोंका नया हवा का है।।
कोटि-कोटि बलिदानों से, हमने आजादी पाई है।
यह स्वराज होगा सुराज, अब आज सजग तरूणाई है।
राष्ट्रीय सेवा योजना .....
प्रगति और परिवर्तन का, एन.एस.एस. ने मंत्र दिया।
भारत माँ की सेवा का, हम सबने यह संकल्प लिया।
नई सृष्टि की संरचना को, युवावर्ग ने जन्म दिया।
शिक्षा स्वास्थ्य और सह-विकास का, हमने पंथ प्रशस्त किया।
राष्ट्रीय सेवा योजना .....
गाँव और नगर की दूरी, कम करके बतलाएंगे।
गाँधी के सपनों को सचमुच, सच करके दिखलाएंगे।
धर्म, जाति, भाषा के झगड़े, हमको छू न पाएंगे।
भारत को सोने की चिड़िया, फिर से हम बनाएंगे।
राष्ट्रीय सेवा योजना .....
सबका हित और सबका सुख, एन.एस.एस. का नारा है।
चाहे जो हो जैसा भी हो, भारत हमको प्यारा है।
इसी देश में जीना-मरना, इसका वंदन और नमन।
इसकी उन्नति और विकास ही, होगा अब अपना जीवन।।
राष्ट्रीय सेवा योजना .....
(राज्य स्तरीय शिविर में प्रसारित)

करें राष्ट्र निर्माण

करें राष्ट्र निर्माण बनाएँ, मिट्टी से अब सोना।
शस्य श्यामला, सुजला सुफला, धरती के हम वासी।
फिर क्यों अपने महादेश की, जनता रहे उपासी।
अन्न-धान से भर दें अपने, घर का कोना-कोना।
मिट्टी से अब सोना, करें राष्ट्र ...
गंगा-जमुना यहाँ बहाती, हैं अमृत की धारा।
ब्रह्मपुत्र, कृष्णा, कावेरी, जल है पय से प्यारा।
पय की धारा से धरती का, सूखा भाग भिगोना।
मिट्टी से अब सोना, करें राष्ट्र ...
सागर हमको देता अपने, दूत जलद गंभीर।
और हिमालय देता हमको, शीतल मंद समीर।
गर्वोन्नत मस्तक रख कहता, कभी न विचलित होना।
मिट्टी से अब सोना, करें राष्ट्र ...
आज हमारे दिव्य देश में, प्रजातंत्र सुखदाई।
प्रजातंत्र का काम प्रजा की, होती रहे भलाई।
यहाँ एक ही घाट पिए जल, सिंह और मृग छौना।
मिट्टी से अब सोना, करें राष्ट्र ...
स्वप्न स्वर्ग का धरती पर, उतरेगा श्रम के द्वारा।
आज पसीने की बूँदों में, छिपा भविष्य हमारा।
अब आराम हराम राष्ट्र से, द्रोह एक पल खोना।
मिट्टी से अब सोना, करें राष्ट्र ....

रासेयो के विभिन्न स्तरीय शिविर

इकाई/संस्था स्तर शिविर

वे छात्र-छात्रायें जिन्होंने उपरोक्त दस दिवसीय शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया हो निम्नलिखित शिविरों में सहभागिता चयन के लिये पात्र होंगेः

1. जिला स्तर नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर (प्रत्येक इकाई का श्रेष्ठ छात्र/छात्रा)
2. विश्वविद्यालय स्तर नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर (जिले की प्रत्येक इकाई का श्रेष्ठ छात्र/छात्रा)
3. राज्य स्तर नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर (प्रत्येक विश्वविद्यालय से 15 छात्राएं एवं 30 छात्र का श्रेष्ठ छात्र-छात्रा) (शिविर का आयोजन केवल म.प्र. में)
4. राष्ट्रीय एकात्मकता शिविर (सांस्कृतिक, बौद्धिक एवं सामुदायिक कार्यों में श्रेष्ठ छात्र/छात्रा)
5. पूर्व गणतन्त्र दिवस (परेड, सांस्कृतिक, बौद्धिक एवं सामुदायिक कार्यों में श्रेष्ठ छात्र/छात्रा)
6. गणतन्त्र दिवस (चयन पूर्व गणतन्त्र दिवस शिविर परेड में म.प्र. से 3 छात्र एवं 3 छात्राएं)

इन्दिरा गांधी एन. एस. एस. पुरस्कार

भारत सरकार ने राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों, कार्यक्रम अधिकारियों/इकाईयों एवं विश्वविद्यालय द्वारा की गई स्वैच्छिक सेवा को मान्यता प्रदान करने के लिये राष्ट्रीय सेवा योजना के

स्वर्ण जयन्ती वर्ष 1993-94 में राष्ट्रीय स्तर पर यह पुरस्कार/सम्मान प्रारम्भ किया। इन पुरस्कारों का ब्यौरा इस प्रकार हैः

क्र.	श्रेणी	पुरस्कारों की संख्या	पुरस्कार/सम्मान की राशि
1.	विश्वविद्यालय	01	दो लाख रुपये नगद शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र
2.	संस्था वं इकाई	05	रुपये 70,000/-नगद एवं प्रशस्ति पत्र
3.	कार्यक्रम अधिकारी	05	रुपये 20,000/- नगद एवं प्रशस्ति पत्र
4.	रा.से.यो. स्वयंसेवक	16	रुपये 15,000/- नगद एवं प्रशस्ति पत्र

मध्य प्रदेश राज्य स्तर राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार

मध्य प्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों, कार्यक्रम अधिकारियों, जिला संगठकों, राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाईयों द्वारा तथा विश्वविद्यालय स्तर पर की गई स्वैच्छिक सेवा को मान्यता प्रदान करने के लिये मध्य प्रदेश राज्य स्तर राष्ट्रीय सेवा योजना (एन. एस. एस.) पुरस्कार/सम्मान शुरू किए हैं ।

पुरस्कार वर्ष 2000-2001 से शुरू किए गए हैं। पुरस्कार प्रतिवर्ष पांच श्रेणियों में दिये जाते हैं।

इन पुरस्कारों का ब्यौरा इस प्रकार हैंः

क्र.	श्रेणी	पुरस्कारों की संख्या	पुरस्कार/सम्मान की राशि
1.	विश्वविद्यालय	01	सम्मान स्वरूप प्रशस्ति पत्र एवं शाल
1.	जिला संगठक	01	सम्मान स्वरूप प्रशस्ति पत्र एवं शाल
3.	संस्था इकाई	06	सम्मान स्वरूप प्रशस्ति पत्र एवं शाल
4.	कार्यक्रम अधिकारी	06	रुपये 6,000/- प्रत्येक
5.	रा.से.यो. स्वयंसेवक	09	रुपये 3,000/- प्रत्येक

पुरस्कार हेतु स्वयं सेवकों की सिफारिश हेतु पत्र

1. राज्य
2. विश्वविद्यालय का नाम
3. सम्बद्ध कालेज का नाम
4. प्राधानाचार्य का नाम
5. छात्र/एन.एस.एस. स्वयं सेवक जिसकी सिफारिश की जा रही है।
6. लिंगः पुरुष/महिला
7. एन.एस.एस. स्वयं सेवक द्वारा पूरे किए गए घण्टे
8. एन.एस.एस. स्वयं सेवक की कार्य अवधि

9. क्या एन.एस.एस. डायरी बनाई हुई है।
10. कितने एन.एस.एस. विशेष शिविरों में भाग लिया (संख्या) प्रत्येक शिविर का ब्यौरा दें।
11. राष्ट्रीय स्तर कार्यक्रम/प्रशिक्षण जिसमें भाग लिया, यदि कोई है (ब्यौरा दें)
12. रक्तदान/नेत्रदान/प्रतिज्ञा/वृक्षारोपण/पर्यावरण संरक्षण/स्वास्थ्य शिक्षा/समुदाय विकास कार्यइत्यादि (अलग कागज पर ब्यौरा दें)
13. अपनाए गए समुदाय में समाज की आर्थिक स्थितियों को ऊपर उठाने में अन्य युवाओं को प्रेरित करने में नेतृत्व के गुण और अन्य पहल
14. क्या उसे कभी न्यायालय द्वारा दोषी ठहराया गया है अथवा उनके विरुद्ध कोई मामला लम्बित है।
15. सामान्य प्रवृत्ति
16. कोई उत्कृष्ट प्रदर्शन (सम्पूर्ण तथ्यात्मक ब्यौरों सहित अलग कागजात संलग्न करें)

राज्य/संघ शासित प्रदेश में
सक्षम प्राधिकारी के हस्ताक्षर
मोहर सहित

नोट : अधूरे आवेदन पत्र मान्य नहीं किये जाएंगे और इस बारे में कोई पत्राचार नहीं किया जाएगा। चयन समिति का निर्णय अन्तिम एवं मान्य होगा।

रासेयो खेलों की जानकारी

राम-रावण युद्ध

दो दल आमने सामने 5 फीट दूरी पर खड़े होते हैं, निर्देशक दोनों दल के बीच खड़ा होता है। एक दल 'राम दल' और दूसरा 'रावण दल' कहलाता है, दोनों दल के पीछे 20 से 40 फीट की दूरी पर लकीरें डाली जाती है।

निर्देशक दोनों दल में से किसी एक दल का नाम पुकारता है, किन्तु उसके पहले अक्षर को बहुत धीरे बोलता है। जैसे रा...आ....आ...म, ताकि कुछ रहस्य रोमांच पैदा हो जावे। जैसे ही रा...आ...म बोला जाता है, राम दल दौड़ते हुए रावण दल का पीछा करता है और उस दल के खिलाड़ी को पकड़ने की कोशिश करता है, जो खिलाड़ी पकड़ा जाता है, वह आउट होता है और वह बाहर जाकर बैठ जाता है।

इसी प्रकार रा...व..ण कहने पर रावण दल का खिलाड़ी 'राम दल के खिलाड़ी' को पकड़ने की कोशिश करते हैं। यदि राम दल के खिलाड़ी रावण दल की सीमा रेखा से बाहर जाते हों तो रावण दल सुरक्षित हो जाता है। रावण दल की सीमा रेखा में पहुंचने पर राम दल के खिलाड़ी आउट हो जाते हैं। निर्धारित समय बाद आउट हुए खिलाड़ियों की संख्या गिनकर परिणाम घोषित किया जाता है।

रूमाल झपट्टा

खिलाड़ियों को दो दल में बाटा जाता है (सामान्यतः 10-10) खिलाड़ियों को आमने सामने 40 से 80 फीट की दूरी पर खड़ा किया जाता है। हर खिलाड़ी को एक नम्बर दिया जाता है।

(दोनों दलों की संख्या समान होनी चाहिए) दोनों दलों के बीचों-बीच 2 फीट व्यास का एक गोला बनाया जाता है।

निर्देशक एक सिरे पर दोनों दलों के बीच खड़ा होकर कोई भी एक नम्बर (1 से 10 तक) जोर से बोलता है, जैसे नं. 7 वैसे ही दोनों तरफ के 7 नम्बर के खिलाड़ी 2 फीट गोले के पास आ जाते हैं, जहां रूमाल रखा होता है। जो खिलाड़ी रूमाल उठाकर अपनी पंक्ति में वापिस लोटता है तो वह एक अंक अर्जित कर लेता है और पराजित खिलाड़ी उसके पीछे आकर खड़ा हो जाता है।

यदि रूमाल उठाकर वापस भागने वाले खिलाड़ी को विरोधी खिलाड़ी रास्ते में ही छू देता है तो वह एक अंक जीत लेता है, और हारने वाला खिलाड़ी उसके पीछे आकर खड़ा होता है। निर्देशक फिर दूसरा नम्बर पुकारता है। (खेल तब तक जारी रहता है जब तक कि कोई भी एक दल के सदस्य पूरे आउट नहीं हो जाते हैं।)

कितने भाई कितने

सभी खिलाड़ी गोलाकार खड़े हो जाते हैं। निर्देशक गोले के मध्य में रहते हैं। सीटी बजते ही खिलाड़ी गोले में धीरे-धीरे एक दूसरे के पीछे दौड़ते हैं। निर्देशक कहते हैं कितने भाई कितने? तब खिलाड़ी कहते हैं आप बोले जितने। यह क्रम दो तीन बार बोला जाता है। निर्देशक फिर संख्या की घोषणा करता है। जैसेः 5 तब खिलाड़ी 5-5 के दल बना लेते है। जो बच जाता है, वह आऊट हो जाता है। शेष दो खिलाड़ी के रहने पर वे विजयी घोषित किये जाते हैं।

ऐसे- कैसे

इसमें खिलाड़ी गोलाकार खड़े किये जाते हैं। 15 से 20 खिलाड़ी एक गोले में खेल सकते हैं। निर्णायक ऐसे कहने के साथ कुछ संकेत करेगा, सभी खिलाड़ियों को वैसा ही संकेत करना पड़ता है। निर्णायक के कैसे कहने पर खिलाड़ियों को कुछ संकेत नहीं करना होगा यानि उसे पूर्व की भांति रहना होगा। यदि कैसे कहने पर वह संकेत करता है तो वह आऊट माना जावेगा और वह निर्णायक की सहायता करने में मदद करेगा। शेष अन्तिम खिलाड़ी को विजेता घोषित किया जाता है।

प्रेरक उद्‌बोधन

1. कश्मीर हो या कन्या कुमारी।
   भारत माता एक हमारी।।
2. मानव-मानव एक समान।
   जाँत-पाँत का मिटे निशान।।
3. सूखी धरती करे पुकार।
   वृक्ष लगाकर करो श्रृंगार।।
4. शिक्षा से अन्याय मिटायें,
   भाई चारा खूब बढ़ायें।।
5. पढ़ना-लिखना है आसान,
   पढ़-लिखकर सब बनो महान।।
6. भाषा, वस्त्र, जाति अनेक,
   एक हृदय है, भारत देश।।

7. अन्धकार को क्यों धिक्कारें।
   अच्छा हो एक दीप जलायें।।
8. जागे देश की क्या पहचान,
   पढ़ा लिखा मजदूर किसान।
9. आओ सभी करले संकल्प,
   पढ़ लिख कर हो काया-कल्प।।
10. पढ़ेंगे पढ़ायेंगे जीवन सुखी बनायेंगे।
11. पढ़ लो बहनों, पढ़ लो भाई।
    पढ़ना लिखना है, सुखदाई।।
12. प्रकृति के दुश्मन तीन।
    पाउच, पन्नी, पॉलीथीन।।
13. काम न चलता बातों से।
    काम करें दोनों हाथों से।।
14. बोलो भारत माता की- जय जय जय।।

रासेयो के प्रमुख दूरभाष नम्बर

क्र.	पद	कार्यालय	मोबाइल
1.	राज्य सम्पर्क अधिकारी	2441056	9425979199
2.	क्षेत्रीय केन्द्र भोपाल	2464817	9425166093
3.	कार्यक्रम समन्वयक, दे.अ.वि.वि., इन्दौर	2523770	9098567471

Email : conssdavv@gmail.com
Website : www.dauniv.ac.in (nss)

कार्य अभिलेख दिवसीय शिविर

स्थान दिनांक कार्य घण्टे

क़ार्य विवरण

कार्य अभिलेख दिवसीय शिविर

स्थान दिनांक कार्य घण्टे

क़ार्य विवरण

कार्य अभिलेख नियमित गतिविधियाँ

स्थान दिनांक कार्य घण्टे

कार्य विवरण

ह. छात्र / छात्रा ह. कार्यक्रम अधिकारी

स्थान दिनांक कार्य घण्टे

कार्य विवरण

ह. छात्र / छात्रा ह. कार्यक्रम अधिकारी

कार्य अभिलेख नियमित गतिविधियाँ

स्थान दिनांक कार्य घण्टे

कार्य विवरण

ह. छात्र / छात्रा ह. कार्यक्रम अधिकारी

स्थान दिनांक कार्य घण्टे

कार्य विवरण

ह. छात्र / छात्रा ह. कार्यक्रम अधिकारी

कार्य अभिलेख दिवसीय शिविर

स्थान दिनांक कार्य घण्टे

क़ार्य विवरण

ह. छात्र / छात्रा ह. कार्यक्रम अधिकारी

कार्य अभिलेख दिवसीय शिविर

स्थान दिनांक कार्य घण्टे

क़ार्य विवरण

ह. छात्र / छात्रा ह. कार्यक्रम अधिकारी

विशेष शिविर

प्रत्येक राष्ट्रीय सेवा योजना महाविद्यालय इकाई वर्ष में एक दस दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन करती है । शिविर महाविद्यालय के निकट किसी ग्राम में लगाया जाता है । शिविर में नियमित कार्यक्रमों के साथ परियोजना कार्य भी हाथ में लिया जाता है ।

विशेष शिविर दिनचर्या

6.00 बजे सुबह	जागरण
6.00 से 6.45 सुबह	नित्य क्रियाक्रर्म
6.45 से 7.15 सुबह	प्रार्थना, व्यायाम
7.15 से 7.45 सुबह	नाश्ता, चाय
7.45 से 11.30 बजे	परियोजना कार्य
11.30 से 12.30 बजे दोपहर	स्नान
12.30 से 1.30 दोपहर	भोजन
1.30 से 2.30 दोपहर	विश्राम
2.30 से 4.15 दोपहर	बौद्धिक कार्यक्रम
4.15 से 4.30 दोपहर	चाय
4.30 से 6.00 शाम	खेलकूद एवं ग्राम संपर्क
6.00 से 6.30 शाम	अवकाश
6.30 से 7.00 शाम	समितियों की बैठक एवं कार्यो का मूल्यांकन, संकलन
7.00 से 8.00 रात्रि	भोजन
8.00 से 10.00 रात्रि	सांस्कृतिक कार्यक्रम
10.00 रात्रि	शयन

राष्ट्रीय सेवा योजना

सात दिवसीय शिविर कार्य विवरण

दिन/दिनांक	कार्य विवरण
प्रथम	
द्वितीय	
तृतीय	
चतुर्थ	

कार्य अभिलेख **विशेष शिविर**

अनुभव, कठिनाईयां एवं सुझाव	हस्ताक्षर स्वयं सेवक	हस्ताक्षर कार्य अधि.

राष्ट्रीय सेवा योजना

दस दिवसीय कार्य विवरण

दिन/दिनांक	कार्य विवरण
पंचम	
षष्ठम	
सप्तम	

शिविर स्थल.....

संस्था से दूरी.....

कार्य अभिलेख **विशेष शिविर**

अनुभव, कठिनाईयां एवं सुझाव	हस्ताक्षर स्वयं सेवक	हस्ताक्षर कार्य अधि.